Regarding drug menace in Indo-Pak border areas

श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा (गुरदासपुर) : चेयरमैन सर, मैं पंजाब में ड्रग की समस्या के बारे में बोलना चाहता हूँ । पंजाब में पठानकोट से लेकर फिरोज़पुर तक पाकिस्तान के साथ बॉर्डर है । यह नेशनल सिक्योरिटी का भी थ्रेट है । पाकिस्तान पंजाब के थ्रू प्रॉक्सी वॉर इंडिया के अगेंस्ट लड़ रहा है । हर रोज़ पाकिस्तान से अनगिनत ड्रोन्स आ रहे हैं, उनमें इल्लिगल वेपन्स हैं, उनमें ड्रग है । लोकेशन भेज कर, वे जहां भी चाहते हैं, 20 किलोमीटर तक छोड़ जाते हैं ।

मैं यह कहना चाहता हूँ कि 50 किलोमीटर तक बीएसएफ की इंटरफेयरेंस है कि 50 किलोमीटर तक बीएसएफ वहां कंट्रोल कर सकती है । आपने सुना होगा कि 15 किलोमीटर के अंदर जो पुलिस चौकी हैं, उनके ऊपर हैंडग्रेनेड अटैक्स हुए और वहां की जो हमारी पंजाब सरकार है, उन्होंने आज तक कोई कार्रवाई उन पर नहीं की है । यह बहुत सीरियस और नेशनल सिक्योरिटी का मैटर है ।

मैं यह चाहता हूं कि जो नशा है, उसमें गैंगस्टर व रैडिकल्स शामिल हैं और दोनों मिलकर पंजाब में भेज रहे हैं । पाकिस्तान, अमेरिका और जर्मनी में रैडिकल्स बैठे हैं । पंजाब के जो गैंगस्टर्स हैं, उनके साथ मिले हुए हैं । पंजाब की गवर्नमेंट इन गैंगस्टर्स के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है और उल्टे गैंगस्टर्स की फैमिली को पुलिस प्रोटेक्शन देकर उनको बचा रही है ।

महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि पंजाब में जितने भी अटैक्स हुए हैं, उनमें एक बात तो इस्टैब्लिश हो गई कि ये फॉरेन मेड हैंड ग्रेनेड्स हैं । कहीं भी अगर कोई ऐसा अटैक होता है तो वहां एनआईए पहुंचती है । मैंने होम मिनिस्टर साहब को भी दो बार लेटर लिखा है । आज पंजाब की जो सिचुएशन है, पंजाब की लॉ एंड ऑर्डर की जो प्रॉब्लम है, पाकिस्तान नेशनल सिक्योरिटी को थ्रेट कर रहा है । उसके ऊपर एक्शन किया जाना चाहिए ।? (व्यवधान)

महोदय, मैं अब अपनी बात खत्म कर रहा हूं । पंजाब की गवर्नमेंट कहती है कि दिल्ली में गैंगस्टर्स आ रहे हैं, लेकिन उनको पंजाब के गैंगस्टर्स नहीं दिखाई दे रहे हैं ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति: आपकी डिमांड आ गई है ।

श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा (गुरदासपुर) : महोदय, अब मैं अपनी डिमांड ही रख रहा हूं । दीवार पर खालिस्तान जिंदाबाद लिखा जाता है और वे वहां से भाग जाते हैं ।? (व्यवधान)